"एक स्त्री का यीशु से कुएँ पर मिलना"

बच्चों से कहो हमेशा गवाही के लिए तैयार रहें।

बच्चों की सिखाने की गतिविधियों में से चुनिए जो उनकी अच्छी आवश्यकताओं और स्थानिय रीति रिवाज के अनुसार हो।

"एक सामरी स्त्री"

कोई बड़ा बच्चा या अध्यापक यूहन्ना 4:4–42 से सामरी स्त्री की कहानी सुनाए। यह बताती है कि यीशु कैसे प्रत्येक को, जो उससे मिलते थे, परमेश्वर के प्रेम, क्षमा करना और आत्मिक जीवन के विषय में बताते थे।

अगर सुविधाजनक हो तो बच्चे इस चित्र में रंग भरे या नकल करें

प्रश्नः कहानी बताने के बाद यह प्रश्न पूछिए। हर प्रश्न के बाद उत्तर दिया गया है।

- यीशु कुएं पर क्या कर रहे थे (देखें पद6)
- जब यीशु ने पानी माँगा तो स्त्री आश्चर्य में क्यों पड़ गई (देखें पद 9)
- यीशु ने स्त्री को कौनसा जल देने को कहा (देखें पद 14)
- क्या कोई विशेष स्थान है जहाँ परमेश्वर की आराधना करनी चाहिए (पद 21, 24)
- यीशु ने किससे कहा "मैं वही हूँ"? (पद 26)
- यीशु का यह कहने का तात्पर्य क्या था कि फसल काटने के लिए तैयार हैं? (उत्तरः बहुत से लोग यीशु के सुसमाचार की प्रतिवादन करने को तैयार है लेकिन हमें उन्हें पहले बताना होगा)

कहानी के कुछ भाग का **नाटक प्रस्तुत करें।** कलीसिया के आराधना अगुवो के साथ यह नाटक प्रस्तुत करें। बच्चों को नाटक तैयार करने में अपना समय दें। आपको सारा भाग प्रयोग नहीं करना है।

- **बड़े बच्चे या वयस्क चित्र बनाएः**

  वर्णनकर्त्ताः कहानी का निचोड़ बताए और बच्चों को जो कहना है वह याद करें।
  यीशु किसी कुएँ समान स्थान पर बैठा है।
  सामरी स्त्री अपने सिर पर घड़ा लिए हुए

  जवान बच्चे चित्र बनाए
  चेले भोजन के साथ
  सामरी

यीशु: कुएँ के पास बैठे हैं।

वर्णनकर्त्ता: यूहन्ना 4:1-26 से कहानी का पहला भाग बताएँ। कहें "सुनो चेले क्या कहते हैं"।

चेले: यीशु आप थक गए हो। सफर बहुत लम्बा था। यहाँ कुएँ के पास बैठकर आराम कीजिए। हम सामरियों के गाँव में जाकर भोजन का प्रबन्ध करते हैं।

सामरी स्त्री: घड़ा लिए हुए यीशु की तरफ आती है।

यीशु: मुझे थोड़ा पानी पिला।

सामरी स्त्री: आश्चर्य से कहती है, तुम यहूदी हो, तुम मुझसे, एक सामरी स्त्री से, पानी क्यों माँगते हो।

यीशु: मैं जो जल तुझे देता हूँ, वह तुझे अनन्तकाल तक प्यासा न रखेगा।

सामरी स्त्री: आश्चर्य से कहती है "यह तुम कैसे कर सकते हो।?"

यीशु: ''मै मसीह हूं परमेश्वर का चुना हुआ।''

वर्णनकर्त्ता: युहन्न 4:27 से 38 कहानी का दूसरा भाग सुनाये। बोले, ''चेले क्या कहते है उसे सुनो।''

चेले: ''देखो! यीशु के साथ वह स्त्री कौन है? वह अपना घड़ा छोड़कर गांव की तरफ जा रही है काफी उत्साहित दिखती है। यीशु, यह लीजिए, कुछ रवा लीजिये।''

यीशु: ''मेरे पस खाने के लिये अलग तरह का खाना है। मेरा भोजन है की मै लोगो कि मदद करू कि वो परमेश्वर को जाने। लोगो को सुसमाचार देने को हमेश तैयार रहे।

वर्णनकर्ता: कहानी का तीसरा भाग यूहन्ना 4:39-42 से बताओ। कहो "सुनो सामरी स्त्री क्या कहती है"।

सामरी स्त्री: सामरियों से, जो एक तरफ खड़े थे, कहती है। आओ इस मनुष्य को देखो। जो कुछ मैंने किया वह सब उसने बता दिया। यह परमेश्वर का चुना हुआ जन है।

सामरी: चलो हम चलकर देखें, हम भी उसपर विश्वास करेंगे।

वर्णनकर्ता: जिन्होंने नाटक में सहयोग दिया, सबको धन्यवाद।

अगर बच्चे वयस्को के लिए यह नाटक करना चाहते हैं तो वह उनसे ऊपर दिए प्रश्न भी पूछें। वर्णनकर्ता भी पूछें, वह कौन से उदाहरण है जब लोगों ने यीशु को उत्तर दिया, जिसके लिए हम उम्मीद भी नहीं कर सकते (लोग उदाहरण दें)

एक कुएँ का चित्र बनाए और बच्चे इसकी नकल करें। वह इसको आने वाली आराधना में बड़ों को दिखाकर इसका वर्णन कर सकते हैं। यह हमें दर्शाता है कि परमेश्वर अपना जीवन का जल उन लोगों को देने के लिए सदा तैयार रहता है जो उसको स्वीकार करते हैं।

याद कीजिये कोल 4:3

कविता दोहराए: चार बच्चे भजनसहिंता अध्याय 19:1-4 को दोहराए। वह इसको बड़ों के लिए भी दोहरा सकते हैं।

प्रार्थना: प्रभु, हम सामरी हैं कि हम जहाँ चाहे वहाँ आपकी आराधना कर सकते हैं। आप सब भाषा और समाज के लोगों से प्रेम करते हो। धन्यवाद करते हैं कि सुसमाचार के साथ हमको सब देशों में भेजा। यह याद रखने में हमारी सहायता करो कि हमारे चारों तरफ लोग आपके सुसमाचार का उत्तर देने को तैयार हैं। उनको बताने हम वफादार रहे, हमारी सहायता कर।

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net